अध्याय - तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

अध्याय - तृतीय

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

3.1 भूमिका

अनुसंधान का अर्थ किसी नवीन तथ्यों की खोज करना है। वास्तव में अनुसंधान एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर किसी समस्या का विश्वसनीय समाधान ज्ञात किया जाता है अनुसंधान प्रश्न करना, जाँच करना, निरीक्षण करना, योजनाबद्ध अध्ययन, व्यापक परीक्षण और तत्परतायुक्त उद्देश्य, सामान्यीकरण की प्रक्रिया है।

शोध प्रविधि किसी भी शोध कार्य में यह संभव नहीं हो पाता कि सभी लक्ष्यगत समष्टि को अध्ययन में शामिल किया जाय। अतः समष्टि की समस्त इकाईयों में से अध्ययन हेतु कुछ इकाईयों का एक निश्चित विधि द्वारा चुन लिया जाता है। उन संकलित इकाईयों के समूह को न्यादर्श कहते हैं।

न्यादर्श का चयन

जब किसी जनसंख्या (इकाई या मनुष्यों का समूह) में किसी चर का विशिष्ट मान ज्ञात करने के लिये उसकी कुछेक इकाईयों को चुन लिया जाता है। इस चुनने की क्रिया को न्यादर्श कहते हैं। तथा चुनी हुई इकाईयों के समूह को न्यादर्श चयन कहते हैं।

न्यादर्श जनसंख्या का एक भाग है जो दिये गये उद्देश्य के लिए महत्वपूर्ण जाति या प्रतिनिधित्व होता है। इसलिए न्यादर्श पर आधारित निष्कर्ष सम्पूर्ण जाति कि लिए वैद्य होता है।

न्यादर्श के चयन हेतु शोधकर्ता द्वारा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश) से जिले में संचालित उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यालयों की सूची प्राप्त की गई। इनमें से एक शासकीय कन्या उच्चतर

माध्यमिक विद्यालय और एक शासकीय सह शिक्षा विद्यालय का चयन किया गया।

चयनित विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा ग्यारहवी की 50-50 बालिकाओं का चयन याद्रच्छिक रूप से न्यादर्श विधि से लॉटरी पद्धित द्वारा किया गया।

इस प्रकार न्यादर्श में शासकीय कन्या उच्चरत माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय सह शिक्षा विद्यालय की 100 बालिकाओं का चयन किया गया ।

विधि - प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

तालिका क्रमांक 3.1

शासकीय कन्या विद्यालय एवं शासकीय सह शिक्षा विद्यालय की उच्चतर माध्यमिक स्तर की बालिकाओं की संख्या दर्शाने वाली तालिका

कक्षा	शा.क.उ.मा. विद्यालय	शा.सह शिक्षा विद्यालय	योग
ग्यारहवी	50	50	100

प्रयुक्त चर

चर किसी घटना क्रिया या प्रक्रिया का वह पक्ष या स्वरूप है जो अपनी उपस्थिति से किसी दूसरी घटना या प्रक्रिया को जिसका अध्ययन किया जा रहा है, प्रभावित करता है।

चर वह प्रत्येक वस्तु है जिसका हम निरीक्षण कर सकते हैं और वह इस प्रकार हो जिसकी इकाई को निरीक्षण के विभिन्न वर्गो में वर्णन किया जा सके।

प्रस्तुत अध्ययन दो चरों को लेकर किया गया है जो इस प्रकार है-

- सामाजिक समायोजन
- शैक्षिक उपलब्धि

प्रदततो के संग्रहण हेतु प्रयुक्त उपकरण

अनुसंधान में नवीन तथ्य संकलित करने हेतु अथवा नवीन क्षेत्रो का उपयोग करने हेतु परीक्षणो की आवश्यकता होती है इन्ही को उपकरण कहते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन के आँकड़ों के संग्रहण हेतु निम्नांकित उपकरण का प्रयोग किया गया

सामाजिक समायोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय सह शिक्षा विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं का सामाजिक समायोजन के लिए डॉ. आर.सी. देवा का सामाजिक समायोजन परीक्षण का प्रयोग किया गया। इसमें कुल 100 प्रश्न है जिनके जवाब 'हाँ' या 'न' में दिये है।

शैक्षिक उपलब्धि शैक्षिक उपलब्धि के लिए उच्चतर माध्यमिक स्तर की छात्राओं के कक्षा दसवी का वार्षिक परीक्षाफल को लिया गया है।

प्रदत्तों का संग्रहण

प्रदत्तों के संग्रहण हेतु शोधकर्ता ने शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल से संबंधित विद्यालयो के प्राचार्यो हेतु एक पत्र प्राप्त किया जिसके आधार पर संबंधित प्राचार्यो ने शोधार्थी को अनुमति प्रदान की एवं संपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। तत्पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित बालिकाओं को अलग कक्ष में बैठाकर उन्हे शोध के उद्देश्यों एवं आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई। तत्पश्चात् सामाजिक समायोजन प्रश्नावली के निर्देशों के बारे में जानकारी दी गई। और उन्हे अच्छी तरह से समझाया गया। इसके बाद बालिकाओं से परीक्षण करने के लिये कहा गया। बालिकाओं को जिन शब्दों को समझने में कठिनाई हो रही थी, उनका अर्थ सरल शब्दों में बताया गया ताकि बालिकाएँ उस शब्द का गलत अर्थ न समझ लें। बालिकाओं द्वारा परिसूची भरते समय शोधकर्ता निरंतर कक्षा में घूमते हुए

छात्राओं की कठिनाईयों को दूर करती रही। उपरोक्त कार्य में कक्षाध्यापक से भी सहयोग लिया गया।

शासकीय सह शिक्षा विद्यालय में भी बालिकाओं से यह परिसूची भरवाते समय यही प्रक्रिया दोहराई गई।

आकड़ो के विश्लेषण में प्रयुक्त सांख्यकीय विधि

संग्रहित प्रदत्तों को संगठित तथा वर्गीकृत करने के पश्चात् आँकड़ों के विश्लेषण एवं व्याख्या हेतु सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग लिया गया। शासकीय कन्या विद्यालय एवं शासकीय सह शिक्षा विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि और सामाजिक समायोजन के मध्य तुलनात्मक अध्ययन हेतु टी-मूल्य तथा सह संबंध का प्रयोग किया गया।

D - 366

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal